दिनांक 24 फरवरी, 1989 को अपरान्ह 12.30 बजे कृषि विज्ञान केन्द्र, बीछवाल(बीकानेर) में आयोजित शैक्षणिक परिषद् की बैठक का कार्यवृत

निम्नांकित सदस्य उपस्थित थे :-

1. डा. के. एन. नाग (अध्यक्ष)
2. डा. आर. सी. मेहता
3. डा. वी. वी. शर्मा
4. डा. जे. आर. माथुर
5. डा. (श्रीमती) पी. सुन्दरम्
6. डा. पी. आर. जटकर
7. श्री वाई. वी. हुपीकर
8. डा. एस. एन. सक्सेना
9. डा. ओ. एस. राठोड़
10. डा. जी. एल. जैन
11. डा. आर. के. भार्गव
12. डा. एस. एस. आचार्य
13. डा. बी. सी. लोढ़ा
14. डा. वी. एस. यादव
15. डा. एम. एम. सिमलोट
16. डा. वी. एस. दुर्वे
17. डा. वी. वी. सिंह
18. डा. वी. जे. श्रीखण्डे
19. डा. पी. एल. मेहरोत्रा
20. डा. पी. एस. रायसिंघानि
21. डा. के. पी. पन्त
22. डा. जी. आर. पुरोहित
23. डा. पी. के. पारीक
24. डा. यू. के. व्यास
25. डा. के. एल. राव
26. डा. एम. एल. माथुर
27. डा. डी. एस. चौहान
28. डा. आर. एन. गौतम
29. श्री संदीप भटनागर
30. प्रो. प्रताप सिंह
31. प्रो. के. एस. हिरन
32. श्री एस. पी. आनन्द
33. श्री जी. एल. भाटिया
34. डा. (श्रीमती) एस. मेथ्यु
35. डा. (श्रीमती) पुष्पा गुप्ता
36. डा. श्रीमती सी. दवे.
37. डा. आर. के. यादव
38. डा. ए. एल. चौधरी
39. डा. एस. एन. सुन्दड़ा
40. श्री खुशहाल सिंह (सदस्य सचिव)

आमंत्रित सदस्य

1. श्री बी. एस. उज्वल
2. डा. जे. एस. भाटिया
3. श्री एस. पी. पुरोहित
4. श्री एस. एल. इन्टोडिया

मद संख्या 1:- दिनांक 30.12.88 को विस्तार निदेशालय, उदयपुर में आयोजित शैक्षणिक परिषद् की बैठक के कार्यवृत की पुष्टि पर विचार किया गया।

निर्णय लिया गया कि बैठक के कार्यवृत की पुष्टि की जाय।

मद संख्या 2:- विभिन्न संकायों की स्नातक/स्नातकोतर/विद्यावाचस्पति की आयोजित परीक्षाओं में सफल छात्रों (प्रत्याशियों) को उपाधियाँ प्रदान करने हेतु संस्तुति पर विचार किया गया।

निर्णय लिया गया कि सभी सफल प्रत्याशियों को विश्वविद्यालय द्वारा आयो जित दीक्षान्त समारोह में दीक्षा प्रदान किये जाने हेतु संस्तुति की जाय। (सूची संलग्न है)

मद संख्या3:- श्री शिशुपाल रेगर जिन्होंने की कृषि स्नातक के अन्तिम वर्ष की परीक्षा के पश्चात तृतीय वर्ष के पोध व्याधि एवं पौध जनन विषय की परीक्षा पूरक परीक्षा के प्रत्याशि के रूप में उतीर्ण की है को अधिष्ठाता, श्री नरेन्द्र कर्ण कृषि महाविद्यालय जोबनेर के पत्र जिसमें सस्तुति की गई है कि उन्हें उतीर्ण घोषित किया जाय पर विचार किया गया।

निर्णय लिया गया कि क्योंकि प्रत्याशि ने मुख्य परीक्षा के पश्चात आयोजित परीक्षा में इस विषय को अलग से उतीर्ण किया है अतः इन्हें पूरक परीक्षार्थी के रूप में मानकर उपाधि प्रदान की जाय।

मद संख्या 4:- विश्वविद्यालय की वर्ष 1986-87, 1987 व 1988 की परीक्षाओं में सर्वोत्तम अँक प्राप्त किये हैं उन्हें स्वर्ण पदक प्रदान करने हेतु संस्तुति पर विचार किया गया।

निर्णय लिया गया कि सर्वोत्तम अक प्राप्त करने वाले प्रत्याशियों को स्वर्ण पदक प्रदान किये जाये। (सूचि संलग्न है)

मद संख्या 5: डा. डब्लू. के. व्यास, अध्यक्ष, कृषि भौतिकी क्षेत्र, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली के पत्र क्रमांक एपी/4262/259 दिनांक 29.12.88 जिसमें कि उन्होंने कृषि जलवायु/ मिट्टी भौतिकी/रिमोट सेंसिंग/प्लान्ट भौतिकी विषयों को कृषि विश्वविद्यालयों एवं कृषि अनुसंधान संस्थाओं में शिक्षकों, शोध सहायकों के पदों के लिये स्नात्कोत्तर/ विद्यावाचस्पति की उपाधि उक्त विषयों में प्राप्त करना अनिवार्य वांछनीय योग्यता

में सम्मिलित किये जाने पर विचार किया गया।

निर्णय लिया गया कि उक्त योग्यतायें अन्य वांछनीय योग्यताओं में सम्मिलित किया जाय। इसके उपरान्त यह भी निर्णय लिया गया कि अन्य धायो भैतिकी में कृषि का अनुभव भी सम्मिलित किया जाय।

मद संख्या 5: विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्धारित की गई अकवश्यक अर्हतायें जो कि नये वेतनमान के अन्तर्गत विभिन्न पदों ﴾सहायक आचार्य/ सह आचार्य/ आचार्य के पदों के लिये निर्धारित की गई हैं पर विचार किया गया।

निर्णय लिया गया कि उक्त मद को निश्चित करने के लिये एक तीन सदस्यीय समिति का गठन किया जाय जिसमें निम्नांकित सदस्य होंगे।

डा. पी. एन. मेहरोत्रा
डा. जे. आर. माथुर
कुलसचिव

मदसंख्या 6:- परीक्षा नियंत्रक की टिप्पणी जिसमें कि उन्होंने स्वर्ण पदक प्रदान करने के बारे में कुछ स्पष्टीकरण चाहा है पर विचार किया गया।

निर्णय लिया गया कि अधिष्ठाता स्नातकोत्तर अध्ययन को वर्तमान में प्रचलित नियमों व नये नियमों का परीक्षण कर अपनी संस्तुति देने के लिये आदेश दिया गया।

कुलपति महोदय ने परिषद की बैठक में विभिन्न महाविद्यालयों के अधिष्ठाताओं से आग्रह किया कि वे प्रवेश, परीक्षा अथवा पुन: परीक्षण हेतु छात्रों के आवेदन पत्रों को उनके पास नहीं भेजें और वे अपने स्तर पर ही निर्णय ले और यदि उन आवेदनों को कुलपति के पास भेजे जाने आवश्यक ही हों तो उन पर पूर्ण विवरण, नियम आदि वर्णित करके ही भेजें। किसी प्रकार की सहानुभूति हेतु आवेदन पत्र प्रेषित नहीं किये जावें।

अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव के साथ बैठक समाप्ति की घोषणा की गई।

ह/-
﴾के. एन. नाग﴿
अध्यक्ष

ह/-
﴾खुशहाल सिंह﴿
सदस्य सचिव